झारखंड के छात्रों को फिलीपींस में डाक्टर बनने के अवसर

अनुसूचित जनजाति के दस छात्रों को निशुल्क शिक्षा का अवसर मिलेगा : बंधु तिर्की

चिकित्सकों की कमी दूर करने का सुनहरा अवसर : भानु प्रताप शाही

विशेष संवाददाता

रांची : चिकित्सक बनने के उत्सुक छात्रों को अब फिलीपींस में एमबीबीएस की पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध होगी. फिलीपींस के हेल्थ केयर मेनेजमेंट इंटरनेशनल स्थान में चिकित्सा शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए रांची में 27 जुलाई से आवेदन उपलब्ध होंगे. पी मेट (फिलीपींस मेडिकल एडमिशन टेस्ट) परीक्षा 30 जुलाई को रांची में होगी. आवेदन सत्र-2007 के लिए इंटरनेट पर डब्लूडब्लूडब्लू.होमीडुकेशन.कॉम और डब्लूडब्लूडब्लू.शिक्षासमाधान.कॉम पर उपलब्ध होंगे. इस परीक्षा में झारखंड के अलावा आसपास के अन्य राज्यों के परीक्षार्थी भी इस प्रवेश परीक्षा में शामिल हो सकेंगे. इसके लिए मैसर्स शिक्षा समाधान को झारखंड-बिहार और उड़ीसा के लिए अधिकारी प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है. इस आशय की जानकारी संस्थान के प्रबंध निदेशक बलजीत सिंह ने दी.

पत्रकारों से बातचीत करते हुए श्री सिंह ने बताया कि भारत में चिकित्सा शिक्षा संस्थानों की कमी को देखते हुए रिपब्लिक ऑफ फिलीपींस ने भारतीय छात्रों के लिए उच्च शिक्षा के द्वार खोले हैं. उन्होंने बताया कि फिलीपींस के तमाम चिकित्सा शिक्षा संस्थानों को वहां की उच्च शिक्षा संस्थान से मान्यता प्राप्त हैं. कमीशन आन हायर एजुकेशन (चेड) के मान्यता प्राप्त चार वर्षीय एमबीबीएस कोर्स के अलावा छह माह का बेचलर ऑफ मेडिसिन बेचलर ऑफ सर्जरी के डिग्री कोर्स में एक वर्ष की इंटर्नशिप के सुविधा उपलब्ध होगी. इस अवसर पर संस्थान की डीम डाक्टर सिसेलिया रायज ने बताया कि उनके यहां चिकित्सा संस्थानों में विश्व स्तर के चिकित्सा अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा पढ़ाया जाता है और छात्रों को होस्टल के सुविधा के साथ जरूरत की अन्य तमाम सुविधाएं उपलब्ध हैं. फिलीपींस एक शांति प्रिय देश है और यहां यूरोप, एशिया के अलावा विश्व के अन्य देशों से छात्र चिकित्सा शिक्षा ग्रहण करने आते हैं. इनमें भारत, थाईलैंड, पकिस्तान, श्रीलंका, बंगला देश, मलेशिया और अरब देश प्रमुख हैं. इस अवसर पर राज्य के मानव संसाधन मंत्री बंधु तिर्की ने बताया कि झारखंड के छात्रों को फिलीपींस में चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए देश के प्रमुख चिकित्सीय संस्थान हेल्थ केयर मेडिकल इंस्टीटयूट प्रबंधन के साथ हुए करार के तहत 300 छात्रों को प्रतिवर्ष प्रवेश उपलब्ध कराया जायेगा. यह देश और राज्यहित में बेहतर अवसर है. उन्होंने कहा कि झारखंड बने सात वर्ष होने जा रहे हैं. लेकिन राज्य में चिकित्सा संस्थानों की कमी है. चिकित्सीय क्षेत्र को बेहतर बनाने की दृष्टि से यह कदम उठाया गया है. संस्थान इस बात पर सहमत हुआ है हर वर्ष अनुसूचित जनजाति के दस छात्रों को निशुल्क एमबीबीएस की पढ़ाई का मौका दिया जायेगा. उन्होंने कहा कि जल्द ही राज्य में एक बैठक का आयोजन किया जायेगा और इस संबंध में राज्य के प्रमुख शिक्षाविदों और चिकित्सा विशेषज्ञों से राय मशविरा किया जायेगा. इसे बेहतर करने के लिए उन से सुझाव मांगे जायेंगे. इस कार्यक्रम को मानव संसाधन विभाग और चिकित्सा विभाग मिलकर करेंगे.

स्वास्थ्य मंत्री भानु प्रताप शाही ने कहा कि चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में झारखंड के लिए यह एक सुनहरा मौका है. चिकित्सा के क्षेत्र में राज्य को नयी दिशा देने की जुरूरत है. चिकित्सा के क्षेत्र को कैसे उत्कृष्ट किया जाये सोच की जरूरत है. झारखंड में चिकित्सा संस्थानों के साथ-साथ चिकित्सकों की भारी कमी है. विकृत बिहार से झारखंड को मात्र तीन मेडिकल कॉलेज मिले हैं और सिर्फ 190 सीट हैं. झारखंड को फिलहाल सात हजार डाक्टरों की जरूरत है. जबकि हर साल 190 डाक्टर बनते हैं. डाक्टरों व चिकित्सा शिक्षकों की रिक्तियों को भरने के लिए कई वर्ष लग जायेंगे. श्री शाही ने कहा राज्य में चिकित्सा व्यवस्था को सुधारने की सख्त जरूरत है. झारखंड आदिवासियों के लिए बना है. इस लिए यहां के छात्रों को चिकित्सा की बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए यह मौका मिला है. हम चाहेंगे अगर हर वर्ष 250 छात्र भी वहां डाक्टर बनने के लिए जाते हैं तो उनमें कम से कम दस आदिवासी छात्र हों. उन्होंने कहा संस्थान इस बात पर सहमत हुआ है अगर संस्थान समझौते खरा उतरता है तो झारखंड सरकार भी आगे आयेगी. इस अवसर पर संस्थान के प्रबंध निदेशक बलजीत सिंह ने दोनो मंत्रियों को फिलीपींस आने का निमंत्रण दिया. कार्यक्रम में शिक्षा समाधान के आकाश सिन्हा ने भी विचार व्यक्त किये. कार्यक्रम का संचालन पी राघवन ने किया.

एक दूसरे को सहमति पत्र देते राज्य सरकार व फिलीपिंस के प्रतिनिधि.